

---

# Shri Mahadevagadyam

श्रीमहादेवगद्यम् २

## Document Information

---

Text title : Shri Mahadevagadyam 02 53

File name : mahAdevagadyam2.itx

Category : shiva, gadyam

Location : doc\_shiva

Proofread by : Aruna Narayanan

Description/comments : From stotrArNavaH 02-53

Latest update : July 25, 2021

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

July 25, 2021

*sanskritdocuments.org*

---

# Shri Mahadevagadyam

## श्रीमहादेवगद्यम् २




ॐ जय जय महादेव महाकाल महाकालास्पद महाकालगल  
नाकौकःप्रत्यनीकनाशकर नारायणप्रिय नारदोपगीयमानशुभयशित  
नागेन्द्रकृत्तिनिर्वर्तितोत्तरीय त्रिभुवनभवन  
तिमिरडरणाविशददशशतकरनिकरविकसिततरुणतरसरसिरुडदलसदृशनयन  
त्रिनयन त्रिवेदमय त्रिशूलधर त्रिपुरडर  
त्रिपथगाम्भुयुम्भितजटाजूटकोटीरमार त्र्यम्बक  
अम्भिकानितम्भभिम्भस्पर्शलम्पटकराम्भुज  
मण्डलीभूताण्डजपतिकुण्डलमण्डितगण्डस्थल  
पुण्डरीकर्मण्डवसन प्रयाण्डमेरुकोण्डण्डप्रस्फुरणप्रण्डसित  
प्रलयकालताण्डवप्रसारितदोण्डण्ड  
सडस्त्रमण्डलाभीरक ब्रह्माण्डमण्ड पाण्डुराण्ड यण्डीश्वर मूण्ड  
अतुलबलदशलपनपृथुलभुजतरुवनयलितरजत-  
गिरिशिभरसदृशककुण्डुरुशिततरवरवृषभललितगतनिरत  
निशितपरशुधार  
शिशिरकरशकलशेभरशशिकाशसङ्काशभस्मस्निग्धसर्वाण्डगशरीर  
अनिशशिशुशारवणामव तात विश्व विश्वेश्वर  
शर्व शाश्वत कुशेशया सनसंस्तूयमानयशः,  
अक्षजशुशिक्षाण्डिभक्षितपञ्चबाण्डगशरीर  
दक्षयज्ञानाशनभगाक्षडरण्ड दक्षिणार्ध  
अडिमकरडुतभुमिमिकिरण्डधरण्डीगगनपवनपतिसलिलात्मक  
सार्वभौम सकललोकपालमौलिमालालङ्कृतपाण्डपङ्कजपराग  
युगयतुष्टयप्रतिष्ठितजगत्त्रय कपटनाटकनटनपटुयाटुकर  
?? पटुतरधनघटाङ्गीडासक्त त्रयीविष्टपाय (अयः--शरण्ड)  
सुरमण्डिमकुण्डकोटीररत्नसङ्घटितछाटकपाण्डपीठ  
कवाटवक्षःस्थल स्वकटितटगलदलित(गलित)


मदजलमत्तमधुकरकुलकलरवगुणित (करि)  
दलविदलनसरभसमृगपतिकररुडविवरलग्रस्थूलमुक्ताङ्गलकुसुमावलीसुन्दर  
श्रीमत्त्रैलासनिवास वासवारिनारीवैधव्यकर  
विबुधयुगपतिजनानन्दकर(?) प्रणतदीनार्तिनाशन वरद वामदेव  
समस्त लोकेकनाथ शिव शिव नमस्ते नमस्ते नमः ।  
अपगतपापाय नमः कपिलजटामण्डलेन्दुभण्डाय नमः ।  
द्विपयर्मपटाय नमस्त्रिपुरमभधाय देवदेवाय नमः ।  
॥ इति श्रीमहादेवगद्यं सम्पूर्णम् ॥

Proofread by Aruna Narayanan

---

——  
*Shri Mahadevagadyam*

pdf was typeset on July 25, 2021

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

